भारत सरकार

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय

औषध विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1364

दिनांक 27 जुलाई, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

भेषज क्षेत्र में पीएलाई योजना

1364. श्री विद्युत बरन महतो:
श्री रवि किशनः
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिकः
श्री रविन्दर कुशवाहाः
श्री सुब्रत पाठकः
श्री श्रीरंग आप्पा बारणेः
श्री चंद्र शेखर साहूः
श्री शुधीर गुप्ताः
श्री प्रतापराव जाधवः

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश में भेषज क्षेत्र के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) को मंजूरी दी है;

(ख) यदि हां, तो पीएलआई योजना का ब्यौरा क्या है और इसकी मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने उच्च मूल्य वाले उत्पादों के उत्पादन के प्रत्याशित संवर्धन का पता लगाने के लिए कोई आकलन किया है, जिन्हें आगामी वर्षों में देश के निर्यात में जोड़े जाने की संभावना है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) भेषज क्षेत्र में पीएलाई योजना के कार्यान्वयन के बाद देश में संभावित रूप से बढ़ने वाले निवेशों, रोजगार के अवसरों का ब्यौरा क्या है;

(च) क्या वर्तमान में, कम मूल्य वाली जेनेरिक दवाएं भारतीय निर्यात के प्रमुख घटक हैं, जबकि पेटेंट वाली दवाओं की घरेलू मांग का बड़ा हिस्सा आयात के जरिए पूरा किया जाता है; और

(छ) यदि हां, तो योजना से वर्तमान प्रवृत्ति में किस प्रकार बदलाव होने की संभावना है?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक मंत्री (श्री मनसुख मांडविया)

(क) और (ख): जी, हां। सरकार ने औषध संबंधी उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना को दिनांक 24.02.2021 को अनुमोदन दिया है जिसे दिनांक 03.03.2021 को राजपत्र में अधिसूचित किया गया था। प्रत्येक पहलू पर इस योजना का ब्यौरा और आवेदन करने की प्रक्रिया वाले परिचालन दिशानिर्देश

दिनांक 01-06-2021 को जारी किए गए थे। ये परिचालन दिशानिर्देश विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और इन्हें https://pharmaceuticals.gov.in/schemes पर एक्सेस किया जा सकता है।

(ग) और (घ): इस योजना के तहत तीनों श्रेणियों के उत्पादों में 6 वर्षों की अवधि में 1,96,000 करोड़ रुपये की निर्यात उत्पादन क्षमता का अनुमान लगाया गया है जिसमें उच्च मूल्य वाले उत्पाद भी शामिल हैं।

(ङ): पीएलआई योजना ने योजना की अवधि में इस क्षेत्र में वृद्धि के परिणामस्वरूप लगभग 15,000 करोड़ रुपये की निवेश क्षमता और 20,000 प्रत्यक्ष और 80,000 अप्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन का अनुमान लगाया।

(च) और (छ): जी, हां। वर्तमान में कम मूल्य की जेनेरिक दवाओं से आशय भारतीय निर्यात के प्रमुख घटक से है। जहां तक पेटेंटीकृत दवाओं का संबंध है, देश में इनका आयात एवं साथ ही विनिर्माण होता है। यह योजना पेटेंटीकृत दवाओं और अन्य उच्च मूल्य वाली दवाओं के विनिर्माण को वृद्धिशील बिक्री के 10 प्रतिशत की प्रोत्साहन दर पर प्रोत्साहित करती है जो योजना के अर्थात् उत्पाद श्रेणियों में सबसे अधिक है।

*****